पाठ - 5 अक्षरों का महत्व

4/8/2020

शब्दार्थ

तादाद - संख्या

मूल - जड़

अनादि काल -

औज़ार - हथियार

प्रागैतिहासिक - प्राक् + इतिहास
पत्थरों का काल

चहुँ ओर - चारों ओर

द्योतक रेखा - छोटी - बड़ी रेखा

लिपि - संकेत

अस्तित्व - वजूद, उपस्थिति, मौजूदगी

मुश्किल - कठिन

युग - काल

इत्यादि - और

इस्तेमाल - प्रयोग करना

मालूम - ज्ञात होना

निबंध से

प्र: 1 पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई ?

उत्तर- अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई इसलिए ऐसा कहा गया है क्योंकि आदमी ने अक्षरों की खोज की जिससे हम इतिहास को जान पाए। अक्षरों की खोज के बाद ही मनुष्य अपने भाव, विचारों को लिखकर रखने लगा। अक्षरों की खोज ही मनुष्य को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ा रही है।

प्र: 2 अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ ? पाठ पढ़कर उत्तर लिखो

उत्तर- अक्षरों की खोज का सिलसिला छह हजार साल पहले शुरू हुआ है। पहले मानव चित्रों के जरिए अपने भाव व्यक्त करता था। जैसे पशुओं, पक्षीयों, आदमियों आदि के चित्र से भाव संकेत का पता चलता है।

जैसे :- एक छोटे वृत्त के चारों ओर किरणों की द्योतक रेखाएं खींची, तो वह सूर्य बन जाता है। बाद मे यही चित्र "ताप" या "धूप" का चिह्न बन गया।

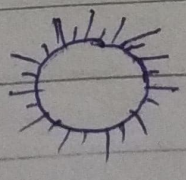

प्र: 3 अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन-किन माध्यमों का सहारा लेता था ?

उत्तर- अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज के इलाकों का पहुँचाने के लिए पशुओं, पक्षियों, आदमियों आदि के चित्र बनाकर भाव संकेत का सहारा लेता था।

5/8/2020

निबंध से आगे

प्र: 1 अक्षरों के महत्व की तरह ध्वनि के महत्व के बारे मे जितना जानते हो, लिखो।

उत्तर - भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है। ध्वनियों के आपस मे मिलने से अक्षर बनते है। अक्षरों द्वारा लिखकर अपने विचार या भाव व्यक्त किए जाते है। और ध्वनि द्वारा बोलकर अपने विचार या भाव दूसरों के सामने व्यक्त किए जाते है। साथ ही सार्थक [जिसका कोई निश्चित अर्थ हो] ध्वनियों के उच्चारण द्वारा भी हम अपने भाव व्यक्त करते है। इस कारण अक्षर के समान ध्वनि भी महत्वपूर्ण है।

भाषा की बात

प्रश्न पाठ्यपुस्तक से देखकर लिखिए।

उत्तर -1

उपसर्ग :- जो शब्दांश शब्द के आगे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उसे उपसर्ग कहते हैं।

	उपसर्ग	मूल शब्द	अर्थ
1	अ	सफल	जिसे सफलता मिली हो।
2	अन्	उचित	जो कार्य करने योग्य हो।
3	अ	परिचित	जिसे जानते हो।
4.	अ	दृश्य	जिसे देखा जा सके।
5.	अन्	आवश्यक	जो जरूरी हो।
6.	अन्	इच्छा	चाह, कामना, अभिलाषा

उत्तर (2)

विशेषण :- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता हो, उसे विशेषण कहते हैं।

विशेषण के ६ भेद हैं -

1) गुणवाचक वि॰ 2) संख्यावाचक विशेषण
3) परिमाण वाचक विशेषण 4) सार्वनामिक विशेषण

1) गुणवाचक विशेषण :- गुण, दोष, अवस्था, दिशा, आकार, रूप, रंग का बोध हो।

2) संख्यावाचक विशेषण – संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध हो।

3) परिमाण वाचक विशेषण – संज्ञा शब्दो की मात्रा [माप-तौल] बताते है।

4) सार्वनामिक विशेषण – जब किसी सर्वनाम का प्रयोग संज्ञा की विशेषता बताने के लिए किया जाता है।

परिमाणवाचक के उचित शब्द

प्याला	कटोरी	एकड़	मीटर
लीटर	किलो	दर्जन	चम्मच

तीन कटोरी खीर
छह मीटर कपड़ा
दो प्याला कॉफी
एक लीटर दूध
दो एकड़ जमीन
एक दर्जन रेत
पाँच किलो बाजरा
तीन चम्मच तेल